मुकाबला वेस्ट इंडीज से निगाह वर्ल्ड कप पर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हैदराबाद। टी20 क्रिकेट में भारतीय टीम मिशन टी20 वर्ल्ड कप (2020) की तैयारियों को लेकर अपनी रणनीतियां तैयार करने में जुटी है। इस कड़ी में शुक्रवार से टीम इंडिया वेस्ट इंडीज के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज का आगाज करेगी तो उसका टारगेट अगले साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले वर्ल्ड कप की तैयारियों पर ही होगा। वर्ल्ड कप मिशन में कूदने से पहले टीम इंडिया के पास शेड्यूल 11 टी20 इंटरनैशनल मैच ही बचे हैं। ऐसे में कुछ सवाल हैं, जिनका हल टीम इंडिया को इन बचे हुए 11 मैचों में ढूंढना है। टी20 क्रिकेट में, टीम इंडिया लक्ष्य का पीछा करना ज्यादा पसंद करती है। 2017 की शुरुआत में जब एमएस धोनी ने कप्तानी छोड़ी थी, तब से लेकर अब तक भारतीय टीम ने इस सबसे छोटे फॉर्मेट में 45 मैच खेले हैं। इनमें टीम इंडिया को 30 में जीत, जबकि 14 में हार का सामना करना पड़ा है। इन 14 हार में से 10 हार तब मिली हैं, जब टीम इंडिया ने पहले बैटिंग करते हुए विरोधी टीम के लिए लक्ष्य सेट किया हो। ऐसे में टीम को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है।

मिडल ऑर्डर भी है समस्या

भारतीय टीम जब 2019 वर्ल्ड कप की तैयारियां कर रही थी तब से ही वह नंबर 4 पर किसी बल्लेबाज को स्थापित नहीं कर पाई। वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में टीम के लिए यह घातक भी साबित हुआ और न्यू जीलैंड के खिलाफ टीम को हारकर टूर्नमेंट से बाहर होना पड़ा।

हमें पंत की काबिलियत पर पूरा भरोसा: विराट कोहली

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हैदराबाद। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ शुरू हो रही टी20 सीरीज से पहले टीम की योजनाओं के बारे में बात की है। ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों में जुटी टीम इंडिया का फोकस अब टारगेट की रक्षा करने पर होगा। इस मौके पर विराट ने मीडिया की ओर से उठाई गई तमाम चिंताओं के जवाब दिए और साथ इन दिनों आलोचकों के निशाने पर जमे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि पंत की काबिलियत पर हमें पूरा भरोसा है और यह टीम की जिम्मेदारी है कि वह अच्छा खेल सकें इसके लिए हम सभी उनका सपॉर्ट करें।

पंत पर पूछे गए सवाल पर कप्तान कोहली ने कहा कि हमें उनकी

विराट ने बताया की टीम इंडिया अब लक्ष्य की रक्षा करने पर करेगी फोकस

योग्यता पर पूरा भरोसा है। कोई खिलाड़ी टीम के लिए अच्छा खेले यह हम सबकी साझी जिम्मेदारी है। हमें हर खिलाड़ी को भरपूर मौका और समय देना चाहिए ताकि वह अपनी जगह टीम में साबित कर सके। गलतियां होने पर खिलाड़ियों पर चिल्लाना सही नहीं है। पंत के संदर्भ में जो बात कुछ दिन पहले रोहित शर्मा ने कही थी मैं भी उसी के साथ हूं कि पंत पर ज्यादा हल्ला मचाने की बजाए उन्हें कुछ समय के लिए अकेला छोड़ दें। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की आलोचना करना सही नहीं वह अच्छा खेल सकें इसके लिए उन्हें सपॉर्ट करना चाहिए।

टी20 फॉर्मेट में बीते 2 सालों में टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी कर मैच जीतने में इतनी सहज नहीं दिखती, जितना वह लक्ष्य का पीछा करते हुए दिखती है। कप्तान विराट कोहली इस बात पर फोकस हैं और उन्होंने बताया अब टीम इसी कमजोरी को दूर करने पर काम करेगी। विराट की कप्तानी में टी20 फॉर्मेट में टीम इंडिया स्कोर चेज करना ज्यादा पसंद करती है। धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद भारतीय टीम ने विराट के नेतृत्व में 45 मैच खेले हैं। इनमें टीम इंडिया को 30 में जीत, जबकि 14 में हार का सामना करना पड़ा है। इन 14 हार में से 10 हार तब मिली हैं, जब टीम इंडिया ने पहले बैटिंग करते हुए विरोधी टीम के लिए लक्ष्य सेट किया हो। विराट अब टीम के इसी पक्ष को मजबूत करना चाहते हैं और उन्होंने मैच से पहले यह साफ कर दिया है कि वर्ल्ड कप से पहले टीम लक्ष्य बचाने पर फोकस करेगी।

विराट ने कहा कि टी20 फॉर्मेट इतना फास्ट खेल है कि यहां हर मैच में 6 बोलरों की जरूरत होती है। हमें ऑलरांडर, स्पिनर और पेस बोलिंग का ऐसा मिश्रण तैयार करना होता है, जो मौका पड़ने पर टीम के काम आ सके।

शोले के मुरीद गांगुली ने कहा तनाव कम करती हैं फिल्में

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोलकाता। सुपरस्टार अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म 'शोले' को पसंदीदा फिल्म करार करते हुए बीसीसीआई अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने कहा कि फिल्में तनाव दूर करने में काफी मददगार साबित होती हैं जो आपको दिनचर्या से दूर ले जाती हैं।

गांगुली से यहां एक कार्यक्रम के मौके पर मनोरंजन संबंधित हल्के-फुल्के सवाल पूछे गए जिसमें उनकी पसंदीदा फिल्म से लेकर पंसदीदा कलाकार शामिल रहे। उन्होंने पसंदीदा फिल्म के बारे में कहा, 'मेरी सर्वकालिक पसंदीदा फिल्म 'शोले' है।'

यह पूछने पर कि अगर मौका मिले तो वह फिल्म में कौन सा

किरदार निभाना पसंद करेंगे तो उन्होंने कहा, 'यह बहुत मुश्किल सवाल है क्योंकि मुझे नहीं लगता कि मैं अभिनय कर सकता हूं। लेकिन शोले में मेरे पसंदीदा किरदारों में अमिताभ बच्चन और निश्चित रूप से गब्बर सिंह शामिल होंगे। गब्बर सिंह थोड़ा ज्यादा लोकप्रिय था, लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं गब्बर सिंह का किरदार निभा सकता हूं। लेकिन शोले में उसकी भूमिका ने उस फिल्म को लाजवाब बनाया।'

गांगुली ने कहा कि फिल्में तनाव कम करने में बड़ी मददगार होती हैं। उन्होंने कहा, 'इससे आपका दिमाग दिनचर्या और कामों से दूर चला जाता है।' उन्होंने कहा, 'इतने वर्षों में कितने बेहतरीन कलाकार हुए हैं जैसा कि मैंने कहा अमिताभ बच्चन, शाहरूख खान, ऋतिक रोशन, आमिर खान। बंगाल में सौमित्र बाबू, प्रोसेनजीत चटर्जी, अबीर चटर्जी मुझे लगता है अच्छे कलाकार हैं। और भी कई अभिनेता हैं, मुझे माफ करना अगर मैं सभी का नाम नहीं ले पाया।'

गांगुली ने कहा, 'मैं सत्यजीत रे की अलग अलग फिल्मों में सौमित्रा चट्टोपाध्याय की भूमिका का मुरीद हूं। सत्यजीत रे की फिल्मों के सभी कलाकार शानदार थे।'

कंधे की चोट से उबर रहे बोपन्ना का लक्ष्य जनवरी में कतर ओपन खेलना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। कंधे की चोट के कारण भारत के हाल के डेविस कप टेनिस मुकाबले से हटने के लिये बाध्य होने वाले युगल विशेषज्ञ खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने गुरूवार को कहा कि उनकी चोट से उबरने की प्रक्रिया सही दिशा में आगे बढ़ रही है और उनकी योजना जनवरी में कतर ओपन में भाग लेने की है। बोपन्ना ने पीटीआई से कहा, ''यह (कंधा) बेहतर हो रहा है और मैंने दो दिन पहले ट्रेनिंग शुरू कर दी है। इसलिये सत्र शुरू होने से पहले मेरे पास पूरा एक महीने का समय है। इसलिये जब पहला टूर्नामेंट शुरू होगा, तब तक यह सही हो जायेगा।''

कतर एक्सोनमोबिल ओपन दोहा में छह से 12 जनवरी तक खेला जायेगा। बोपन्ना को कंधे की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ भारत के डेविस कप मुकाबले से हटना पड़ा था। उन्होंने कहा, ''एमआरआई के बाद पता चला इसमें थोड़ी परेशानी थी। शुरूआत में डाक्टरों ने कहा कि यह 15 दिन के आराम के बाद सही हो जायेगा और जब मैं अभ्यास के लिये गया तो इसमें तब भी काफी दर्द था। '' भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 4-0 से मात देकर डेविस कप का 2020 क्वालीफायर स्थान हासिल कर लिया है।

न्यूज डायरी

नो-बॉल पर तीसरा अंपायर लेगा फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और वेस्ट इंडीज के बीच टी20 इंटरनैशनल और वनडे इंटरनैशनल मुकाबलों में नो-बॉल का फैसला तीसरा अंपायर करेगा न कि मैदान पर मौजूद अंपायर। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल की ओर से यह घोषणा की गई। वेस्ट इंडीज के भारत दौरे पर तीन टी20 इंटरनैशनल और इतने ही वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। शुक्रवार को हैदराबाद में शुरू हो रही इस सीरीज में तकनीक द्वारा नो-बॉल पर फैसला लेने का परीक्षण किया जाएगा। आईसीसी ने एक बयान जारी कर कहा, श्इस पूरे ट्रायल के दौरान तीसरा अंपायर ही हर नो-बॉल पर फैसला करेगा। वही यह जांच करेगा कि क्या गेंदबाज ने अगली क्रीज का उल्लंघन किया है। इसमें आगे कहा गया है, श्अगर गेंदबाज क्रीज का उल्लंघन करता है तो तीसरा अंपायर ऑन-फील्ड अंपायर से बात करेंगा। यानी मैदान पर मौजूद अंपायर तीसरे अंपायर की सहमति के बिना नो-बॉल का फैसला नहीं देगा।

खिलाड़ियों का विरोधी है भारतीय शतरंज महासंघः फिडे उपाध्यक्ष

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चेन्नई। विश्व शतरंज संस्था फिडे के उपाध्यक्ष निजेल शार्ट ने गुरुवार को अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) को खिलाड़ियों का विरोधी करार दिया क्योंकि उसने अभी तक कुछ खिलाड़ियों की रेटिंग को बहाल करने के भारतीय प्रतियोगिता आयोग (सीसीआई) के आदेश को पूरी तरह से लागू नहीं किया है। ब्रिटिश ग्रैंडमास्टर शार्ट उन खिलाड़ियों की रेटिंग बहाल करने के संबंध में पूछे गये सवाल का जवाब दे रहे थे जिन्हें एआईसीएफ ने गैर मान्यता प्राप्त टूर्नामेंट में भाग लेने पर प्रतिबंधित कर दिया था। शार्ट ने पत्रकारों से कहा, ''यह मेरी निजी राय है कि एआईसीएफ के अंदर कुछ खिलाड़ी विरोधी लोग हैं। फिडे अध्यक्ष (अर्काडी डवोरकोविच) ने कहा था कि खिलाड़ियों की रेटिंग बहाल करनी चाहिए। यह कोई बाहरी फैसला नहीं है, सीसीआई ने एआईसीएफ के खिलाफ फैसला दिया था। ''

भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम ने आस्ट्रेलिया को 1-1 से ड्रा पर रोका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कैनबरा। भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए गुरुवार को यहां तीन देशों के टूर्नामेंट में मेजबान आस्ट्रेलिया को 1-1 से ड्रा पर रोक दिया। मेजबान टीम ने 25वें मिनट में स्कोनेल कर्टनी के मैदानी गोल की बदौलत बढ़त बनाई लेकिन भारत ने 52वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गगनदीप कौर के गोल से बराबरी हासिल कर ली। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में आक्रामक शुरुआत की और कई अच्छे मूव बनाए। टीम को 10वें मिनट में पहला पेनल्टी कार्नर मिला। आस्ट्रेलिया के मजबूत डिफेंस ने हालांकि भारत के प्रयास को नाकाम कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने आस्ट्रेलिया के कुछ हमलों को नाकाम किया लेकिन कर्टनी ने 25वें मिनट में गोल दागकर आस्ट्रेलिया को 1-0 से आगे कर दिया। भारतीय टीम ने कुछ अच्छे मूव बनाए लेकिन टीम गोल करने में नाकाम रही जिससे आस्ट्रेलिया मध्यांतर तक 1-0 से आगे था।

बुमराह को बेबी बोलर बता फंसे अब्दुल रज्जाक, फैन्स उड़ा रहे मजाक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर खिलाड़ी ने भारतीय पेस अटैक के मुख्य गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को श्बेबी बोलरश क्या करार दिया। रज्जाक के इस बयान पर बुमराह के फैन्स ने उन्हें निशाने पर ले लिया है। सोशल मीडिया पर अब्दुल रज्जाक के इस बयान की खूब खिंचाई की जा रही है। कई फैन्स ने कहा है कि रज्जाक ऐसे अटपटे जोक सुनाने के शुरू से ही खूब आदी रहे हैं। क्रिकेट पाकिस्तान के साथ एक बातचीत में इस पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी ने बुमराह पर पूछे गए सवाल पर कहा, श्बुमराह मुझे बोलिंग करते तो वे ही दबाव में होते और उन्हें मैं अपने चिर-परिचित अंदाज में खेलकर आसानी से रन बनाता। रज्जाक से सवाल किया गया था कि अगर बुमराह के सामने आपको आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए होते तो आपकी क्या रणनीति होती?